मेवाड़ विश्वविद्यालय में भागवत गीता के आज के युग में उपयोगिता पर एक दिवसीय सेमिनार

कई हजार वर्ष बीतने के बाद भी भागवत गीता की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है- संजय पुंगलिया

जयपुर मिड-डे टाईम्स

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार चित्तौड़गढ़ में योग विज्ञान विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार रभागवत गीता के आज के युग में उपयोगितार पर आयोजित की गई। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान संजय पुंगलिया (आईआरएस) इनकम टैक्स ऑफिसर, और इस्कॉन चित्तौड़गढ़ के जनरल मैनेजर श्री हरिदास जी ने अपने विचार साझा किए। इनकम टैक्स ऑफिसर संजय पुंगलिया ने आज के युग में गीता की उपयोगिता को दर्शाते हुए बताया कि गीता किसी धर्म या मजहब की किताब नहीं है, अपितु यह वह सनातन गीत है जो श्री कृष्ण के मुखारविंद से अर्जुन को प्राप्त हुई। कई हजार वर्ष बीतने के बाद भी इसको प्रासगिकता आज भी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि कैसे वह भागवत गीता की शिक्षा को अनुसरण करते हुए भारत सरकार में आईआरएस के विभिन्न पदों पर सेवारत रहे हैं। विश्व की तमाम देश विदेशी कंपनियां प्रबंधन में गीता के उद्देश्यों को अनुसरण कर रही हैं। इस्कॉन चित्तौड़गढ़ के जनरल मैनेजर श्री हरिदास प्रभु ने बहुत ही सरल और सहज

शब्दों में गीता के श्लोकों का अर्थ सहित व्याख्या की। गीता की उपयोगिता को समझाते हुए हरिदास जी प्रभु ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए नियम और संयम का उल्लेख किया उन्होंने बताया जिस प्रकार खेल में रोचकता लाने के लिए नियम की आवश्यकता होती है ठीक उसी प्रकार जीवन में रचनात्मकता, रोचकता लाने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। मेवाड़ एजुकेशन स्टडी के चेयरपर्सन श्रीमान गोविंद लाल गदिया ने सभी अतिथियों का पगड़ी, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और बताया कि गीता की शिक्षाओं को समकालीन शिक्षा के साथ जोड़ा जोड़ना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन व संचालन विभाग के विभागाध्यक्ष आचार्य जयवीर आर्य और सह अध्यापक सुरभि शर्मा ने किया। विश्वविद्यालय के ज्वाइंट रजिस्टार श्रीमान बीएल रावत ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रम युवाओं के लिए मेवाड़ विश्वविद्यालय में ऐसे कार्यक्रम का होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम में डी के शर्मा डीन एकेडमिक, दीप्ति शास्त्री डिप्टी रजिस्ट्रार,

डा. वाई सुदर्शन डीन कृषि विभाग, डॉ आर एस राणा वरिष्ठ सलाहकार कृषि विभाग, प्रोफे. वंदना चुंडावत विभागाध्यक्ष अंग्रेजी, प्रोफे. दुष्यंत कुमार विभागाध्यक्ष होटल मैनेजमेंट हरि ओम गंधर्व, राजऋषि कसौधन, रोशनी केसरी व अन्य फैकल्टी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'रोल ऑफ भगवद गीता इन टूडेज वर्ल्ड' पर सेमिनार का आयोजन किया

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में अब विद्यार्थियों के लिए भगवत गीता की कक्षाएं भी लगेंगी

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

युवा विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए इस्कॉन शाखा चित्तौड़ ने एक बड़े शिक्षण संस्थान के साथ अनूठी पहल का निर्णय लिया है। इसके तहत विद्यार्थियों का सप्ताह में एक दिन भगवत गीता के सिद्धांत सिखाए जाएंगे। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति का विदेशों में कितना महत्व है, यह भी बताया जाएगा। वर्तमान में विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित हैं। इसी कारण वे सही मायने में अपनी भारतीय संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। इन युवाओं में संस्कारों का बीजारोपण करने के उद्देश्य से इस्कान शाखा ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के साथ एक दिन पहले एक एमओयू किया है। इसके तहत अब इस्कॉन से जुड़े संत एवं विद्वानों नों द्वारा सप्ताह में एक दिन भगवत गीता की कक्षा संचालित की जाएगी। इसमें युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का विशेष प्रयास किया जाएगा। खासतौर पर युवाओं में चरित्र निर्माण पर भी फोकस किया जाएगा। पहली बार इस प्रकार का एमओयू किसी यूनिवसिटीं से इस्कॉन शाखा चित्तौड़गढ द्वारा किया जा रहा है। इस एमओयू पर यूनिवर्सिटी के चेयरमैन अशोक गदिया एवं इस्कॉन शाखा के प्रभारी हरिभक्तिदास ने हस्ताक्षर किए। मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी अध्यक्ष गोविंद गदिया, डीन चित्रलेखा एवं इस्कॉन के मधुर मुरली प्रभु, पुरुषोत्तम प्रभु, भरत माहेश्वरी सहित उपस्थित थे। मेवाड़ यूनिवर्सिटी चेयरमैन अशोक गदिया ने कहा कि वे स्वयं गीता का प्रतिदिन अध्ययन करते हैं। इससे यूनिवर्सिटी के देश-विदेश के 7000 छात्र लाभान्वित होंगे। इस्कान शाखा प्रभारी हरिभक्तिदास के अनुसार इस्कॉन से जुड़े संत सप्ताह में एक दिन यूनिवर्सिटी में जाएंगे और वैज्ञानिक दृष्टीकोण से तर्क देते हुए भगवत गीता एवं उसके उद्देश्यों से विद्यार्थियों को रूबरू कराएंगे। उल्लेखनीय है कि इस्कॉन शाखा में वर्तमान में मौजूद संतों की टोली के सभी सदस्य उच्च डिग्रीधारी है। साथ ही हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत सहित कई भाषाओं के ज्ञाता भी हैं। लेकिन भगवत गीता एवं देश की संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए सेवा दे रहे हैं। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में इस्कॉन शाखा द्वारा पहला सेमिनार इस्कॉन चितौड़गढ़ प्रभारी हरिभक्ति प्रभु के सान्निध्य में हुआ। इसका विषय रोल ऑफ भगवद गीता इन टूडेज वर्ल्ड रहा।

इस्कॉन शाखा एवं मेवाड़ यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू के दौरान पदाधिकारी।